

सुनील तिवारी हैं कौन जिसकी सुरक्षा के लिए बाबूलाल इतने चिंतित हैं : सुप्रियो भट्टाचार्य

त्वमेव माता च पिता त्वमेव वाले एंकरों का बहिष्कार

आजाद सिपाही संचाददाता
रांची। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी द्वारा सुनील तिवारी को लेकर चिंता जाहिर करने, केंद्र और राज्य सरकार को पत्र लिखकर सुरक्षा मांग जाने पर ज्ञामुमो ने कई गंभीर सवाल खड़े किये हैं। ज्ञामुमो केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि आरप यह बाल तिवारी हैं कौन, क्या करते हैं, जिनकी सुरक्षा के लिए बाबूलाल मरांडी इतने चिंतित हैं। राज्य सरकार तो राज्य सरकार, केंद्र सरकार को भी पत्र लिख रहे हैं।

आखिरकार बाबूलाल मरांडी को हो वही गया है। ऐसी उम्मीद तो हमें उनसे नहीं थी। जब सुनील तिवारी के बारे में हमने पता किया, तो पता चला है कि यह वही सुनील तिवारी है जिन पर 2021 में चिन्मया और बृजभूषण सिंह जैसे आरप लगे हैं। सुनील तिवारी पर उनके घर काम करने वाली एक आदिवासी युवती के साथ दुर्क्रम और यौन शाश्वत का आरप लग चुका है। इस कांड में वे जेल भी जा चुके हैं और बेल

सुप्रियो भट्टाचार्य ने इंडिया गढ़वाल के द्वारा देश के विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रीय चैनलों के 14 एंकरों के बहिष्कार के सवाल पर कहा कि उन्हें त्वमेव माता च पिता त्वमेव वाले एंकरों का बहिष्कार करने की धोखा की है। क्योंकि इसका कुछ नहीं हो सकता है। जिनकी जिजर में, मन-मस्तिष्क में

पर बाहर है। यह वही सुनील तिवारी है, जिनके संबंध योगेंद्र तिवारी से हैं।

बाबूलाल मरांडी के भाई के साथ संबंध हैं। इनकी पत्नी भी संबंध परगना बिल्डर कंपनी में निदेशक रह चुकी है। आखिर यह सुनील तिवारी के हर कारों की जांच कराए और सच सबके सामने लाए। उक्त बातें भट्टाचार्य ने गुरुवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में अंचलों से कही।

भट्टाचार्य ने कहा कि मनवादी लोग हमें सनातनी का पाठ न पढ़ाएं। दरअसल भाजपा और भट्टाचार्य की पूरी धर्म का पाठ न पढ़ाएं। यह कहां का सनातन है कि रेल, एवरपोर्ट, जलमार्ग आदि सभी का ठेका एक ही आदमी को दिया जाए। बाबूलाल मरांडी यह भी बताने का कष्ट करे कि गोड़ा में अस्मत तक को नहीं छाड़ा।

उनसे व्या बहस करना, व्यातक देना, व्या पक्ष रखना। गंदी पर पैर नहीं रखा जाता है, उसे धोकर हटा दिया जाता है। सुप्रियो ने कहा कि दिसंबरी भी मीडिया हाऊस की बहिष्कार की जस्तर नहीं है। जरूर सिफर आंख में पैरी बांधकर सवाल करने वाले, कुर्कत देने वाले एंकरों से दूरी बनाना है।

जमकर विरोध किया। फिर क्या हुआ कि बोलाना बंद कर दिए। अमरापाड़ा में धरें पर बैठे थे। फिर क्या हुआ कि अचानक धरना समाप्त हो गया।

जब गुजरात आमने सरकार ने अडाणा

सामने

किसी के सचिव बन जाते हैं। कभी वकील बन जाते हैं, इसलिए सरकार इस बहुरूपिया सुनील तिवारी के हर कारों की जांच कराए और सच सबके सामने लाए। उक्त बातें भट्टाचार्य ने गुरुवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में अंचलों से कही।

भट्टाचार्य ने कहा कि मनवादी

लोग हमें सनातनी का पाठ न पढ़ाएं और वर्तमान में पूरी सीधे और अंचलों हो गए। दरअसल भाजपा और भट्टाचार्य की पूरी टीम भ्रष्टाचार का एक संगठित प्रियोरी के रूप में काम करती है। इनलोगों ने केवल आरपोर्ट को भी बल्कि ज्ञामुमों को भी खालिहाट का अंथ झारखंडियों को भी लूटा। उनकी अस्मत तक को नहीं छाड़ा।

ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन में दौड़ी राजधानी

कश्यप मेमोरियल आई बैंक में अब तक 806 प्रत्यारोपण किये गये



ये हुए सम्मानित

हाइसिंकर प्रसाद, प्रमोद कुमार सिन्हा, गीता देवी, निर्मला प्रसाद, संतोष कुमार अग्रवाल, जीता देवी बजाज, मीरा रायपत, इंदू अग्रवाल, मोराजी राठोड़, हम्मान दास पारीकर, बनवारी लाला पोद्धार, भगवती देवी। पैटिंग प्रतियोगिता के विजेता प्रथम स्थान : वेदा एकक, द्वितीय स्थान : प्रतीता कुमारी, अंतिम स्थान : वेदा एकक, द्वितीय स्थान : प्रतीता कुमारी, अंतिम स्थान : वेदा एकक, मीरा रायपत, निकिता, साहिल नायक, आशुतोष, कल्पना, पूनम, अमित, अंश, शिवानी और सुप्रिया।

पूरे शरीर का दान करना चाहिए, अपौरुष कृद देन पहले विश्व हिंदू परिषद के एक वरिष्ठ सदस्य का निधन प्रत्यारोपण किये जाएं। यहाँ 30 बैठक सरदर अस्पताल के 39 मरीजी इलाज करा रहे हैं। यहाँ 30 बैठक सुरक्षित रखे रखे थे जो अब पूरी तरह भर चुके हैं। सर्वीन नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर के 10 मालूले के 344 घरों में जेम पानी की जांच की गयी, जिसमें से 58 घरों में डैंगू का लार्वा पाया गया है।

स्वास्थ्य सचिव अरुण सिंह ने कहा की सरकार के आई बैंक लक्ष्य के मुताबिक काम नहीं कर रहे हैं। देर रात के आई डोनेशन अधियान की प्रशंसन की। स्वास्थ्य मंत्री बना गुरु ने कहा कि हमारे राज्य में कश्यप मेमोरियल आई बैंक द्वारा झारखंड में 159 नेत्र प्रत्यारोपण किये गए हैं और वर्ष 2022 से अब तक कश्यप मेमोरियल आई बैंक द्वारा 2022-23 के सुनीरीधर लक्ष्य 150 से भी ज्यादा 159 नेत्र प्रत्यारोपण किये गए हैं और वर्ष 2023 में 150 था। हमारे पास कार्निया जनित दृष्टिहीनों की लंबी सूखी है और स्थानीय नेत्रदान की कमी है, इसलिए आई बैंकों में नेटवर्किंग की जरूरत है। इसलिए नेत्र बैंकों में ताकि स्थानीय विकास करना जरूरी है। ताकि कश्यप मेमोरियल आई बैंकों को सांसद संसद सेट ने भौमिका दी है।

स्वास्थ्य सचिव अरुण सिंह ने कहा की सरकार के आई बैंक लक्ष्य के मुताबिक काम नहीं कर रहे हैं। देर रात के आई डोनेशन अधियान की प्रशंसन की। स्वास्थ्य मंत्री बना गुरु ने कहा कि हमारे राज्य में कश्यप मेमोरियल आई बैंक द्वारा झारखंड में 159 नेत्र प्रत्यारोपण किये गये हैं। झारखंड का निधन हुआ और नेत्रदान के बारे में कोई जांच की गयी है। यहाँ 30 बैठक सुरक्षित रखे रखे थे जो अब पूरी तरह भर चुके हैं। सर्वीन नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर के 10 मालूले के 344 घरों में जेम पानी की जांच की गयी, जिसमें से 58 घरों में डैंगू का लार्वा पाया गया है।

स्वास्थ्य सचिव अरुण सिंह ने कहा की सरकार के आई बैंक लक्ष्य के मुताबिक काम नहीं कर रहे हैं। देर रात के आई डोनेशन अधियान की प्रशंसन की। स्वास्थ्य मंत्री बना गुरु ने कहा कि हमारे राज्य में कश्यप मेमोरियल आई बैंक द्वारा झारखंड में 159 नेत्र प्रत्यारोपण किये गये हैं। झारखंड का निधन हुआ और नेत्रदान के बारे में कोई जांच की गयी है। यहाँ 30 बैठक सुरक्षित रखे रखे थे जो अब पूरी तरह भर चुके हैं। सर्वीन नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर के 10 मालूले के 344 घरों में जेम पानी की जांच की गयी, जिसमें से 58 घरों में डैंगू का लार्वा पाया गया है।

स्वास्थ्य सचिव अरुण सिंह ने कहा की सरकार के आई बैंक लक्ष्य के मुताबिक काम नहीं कर रहे हैं। देर रात के आई डोनेशन अधियान की प्रशंसन की। स्वास्थ्य मंत्री बना गुरु ने कहा कि हमारे राज्य में कश्यप मेमोरियल आई बैंक द्वारा झारखंड में 159 नेत्र प्रत्यारोपण किये गये हैं। झारखंड का निधन हुआ और नेत्रदान के बारे में कोई जांच की गयी है। यहाँ 30 बैठक सुरक्षित रखे रखे थे जो अब पूरी तरह भर चुके हैं। सर्वीन नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर के 10 मालूले के 344 घरों में जेम पानी की जांच की गयी, जिसमें से 58 घरों में डैंगू का लार्वा पाया गया है।

स्वास्थ्य सचिव अरुण सिंह ने कहा की सरकार के आई बैंक लक्ष्य के मुताबिक काम नहीं कर रहे हैं। देर रात के आई डोनेशन अधियान की प्रशंसन की। स्वास्थ्य मंत्री बना गुरु ने कहा कि हमारे राज्य में कश्यप मेमोरियल आई बैंक द्वारा झारखंड में 159 नेत्र प्रत्यारोपण किये गये हैं। झारखंड का निधन हुआ और नेत्रदान के बारे में कोई जांच की गयी है। यहाँ 30 बैठक सुरक्षित रखे रखे थे जो अब पूरी तरह भर चुके हैं। सर्वीन नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर के 10 मालूले के 344 घरों में जेम पानी की जांच की गयी, जिसमें से 58 घरों में डैंगू का लार्वा पाया गया है।

स्वास्थ्य सचिव अरुण सिंह ने कहा की सरकार के आई बैंक लक्ष्य के मुताबिक काम नहीं कर रहे हैं। देर रात के आई डोनेशन अधियान की प्रशंसन की। स्वास्थ्य मंत्री बना गुरु ने कहा कि हमारे राज्य में कश्यप मेमोरियल आई बैंक द्वारा झ

संपादकीय

अंग्रेजी राज का कानून

सु प्रीम कोर्ट ने आखिर राजद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता की जांच से जुड़े मामले पांच सदस्यीय सचिवाल मीठ को भेजने का फैसला कर लिया। गौर करने की बात है कि औपनिवेशिक शासन वाले दौर से चले आ रहे इस कानून पर सवाल लें और समय से उठाये जा रहे हैं, इनके दुरुपयोग के अरोप भी पुराने हैं। इसके बावजूद इसका पूरी तरह हटना संभव नहीं हो पा रहा। किसी ने किसी बजह से यह प्रक्रिया लंबी खिंचती चली जा रही है। यह बात बार-बार कही जा चुकी है कि अंग्रेजी शासन के दौर में भारतीय स्वतंत्रा आदेलन के नेताओं की आवाज दबाने में इसका इस्तेमाल होता था, पर आजादी के बाद जब हम एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक राष्ट्र बन गये तो राजद्रोह कानून का कोई अधिकार नहीं रह गया। ऐसे में सबसे अच्छी यही था कि आजाद भारत की कोई सरकार अपनी ओर से पहले करते हुए इसे समाप्त कर देती। लेकिन किसी कारण ऐसा नहीं हुआ तो भी इस कानून का इस्तेमाल कम होते हुए बढ़ दो जाना चाहिए था। ऐसा हो जाता तो नामांत्र के लिए कानून के बने रहने का भी कोई स्वास नुकसान नहीं था। लेकिन दिलचस्प बात है कि देश की लोकतांत्रिक दंग से चुनी तमाम सरकारें भी इस कानून का धड़ल्ले से इस्तेमाल करती रहीं और कई मामलों में इनके दुरुपयोग की बात भी स्थापित हुई। यहीं वजह है कि पिछले साल मई महीने में सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यों की बीच ने इस कानून के तहत की जाने वाली कार्रवाई पर अंतिम रोक लगा दी। फिर भी सरकार का रुख इसे लेकर खास बदला हुआ नहीं रहा। मंगलवार को भी कोई सरकार की ओर से यह अनुरोध किया गया कि मामले को संवैधान मीठ के पास भेजना टाल दिया जाये। उसका तर्क था कि चूंकि सरकार इस कानून की जगह भारतीय न्याय सहित विधेयक लाने ही वाली है, इसलिए क्यों न उसका इंतजार कर लिया जाये। मगर न्याय सहित बिल के लिए रुकने की कोई जरूरत नहीं थी। एक तो इस मामले में अनावश्यक रूप से देर होती चली जा रही है। दूसरी बात, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि न्याय सहित विधेयक के जरिये जाने वाले संवैधान पिछले मामलों पर कोई असर नहीं डालते। तीसरी और सबसे बड़ी बात यह है कि अपनी तरफ नहीं है कि नये विधेयक के जरिए इस कानून के प्रावधानों में अधिकार कर दिया जाना वाला रहा है कि भारतीय न्याय सहित विधेयक के जरिए सरकार पहले से भी ज्यादा कठोर प्रावधान लागू करने की कोशिश मैं है। ऐसे में जरूरी है कि सुप्रीम कोर्ट सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए राजद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता पर चिचार करे और फिर उसके फैसले की रोशनी में ही नये कानून बनाये जायें।

यह बात बार-बार कही जा चुकी है कि अंग्रेजी शासन के दौर में भारतीय स्वतंत्रता आदेलन के नेताओं की आवाज दबाने में इसका इस्तेमाल होता था, पर आजादी के बाद जब हम एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक राष्ट्र बन गये तो राजद्रोह कानून का कोई अधिकार नहीं रह गया। ऐसे में सबसे अच्छी यही था कि आजाद भारत की कोई सरकार अपनी ओर से पहले करते हुए इसे समाप्त कर देती। लेकिन किसी कारण ऐसा नहीं हुआ तो भी इस कानून का इस्तेमाल कम होते हुए बढ़ दो जाना चाहिए था। ऐसा हो जाता तो नामांत्र के लिए कानून के बने रहने का भी कोई स्वास नुकसान नहीं था। लेकिन दिलचस्प बात है कि देश की लोकतांत्रिक दंग से चुनी तमाम सरकारें भी इस कानून का धड़ल्ले

से इस्तेमाल करती रहीं और कई मामलों में इनके दुरुपयोग की बात भी स्थापित हुई। यहीं वजह है कि पिछले साल मई महीने में सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यों की बीच ने इस कानून के तहत की जाने वाली कार्रवाई पर अंतिम रोक लगा दी। फिर भी सरकार का रुख इसे लेकर खास बदला हुआ नहीं रहा। मंगलवार को भी कोई सरकार की ओर से यह अनुरोध किया गया कि मामले को संवैधान मीठ के पास भेजना टाल दिया जाये। उसका तर्क था कि चूंकि सरकार इस कानून की जगह भारतीय न्याय सहित विधेयक लाने ही वाली है, इसलिए क्यों न उसका इंतजार कर लिया जाये। मगर न्याय सहित बिल के लिए रुकने की कोई जरूरत नहीं थी। एक तो इस मामले में अनावश्यक रूप से देर होती चली जा रही है। दूसरी बात, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि न्याय सहित विधेयक के जरिये जाने वाले संवैधान पिछले मामलों पर कोई असर नहीं डालते। तीसरी और सबसे बड़ी बात यह है कि अपनी तरफ नहीं है कि नये विधेयक के जरिए इस कानून के प्रावधानों में अधिकार कर दिया जाना वाला रहा है कि भारतीय न्याय सहित विधेयक के जरिए सरकार पहले से भी ज्यादा कठोर प्रावधान लागू करने की कोशिश मैं है। ऐसे में जरूरी है कि सुप्रीम कोर्ट सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए राजद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता पर चिचार करे और फिर उसके फैसले की रोशनी में ही नये कानून बनाये जायें।

अभिमत आजाद सिपाही

आज भारत की गिनती दुनिया के शीर्ष तीन अग्रणी मछली एवं जलीय कृषि उत्पादक देशों में होती है और वह दुनिया का सबसे बड़ा निवेश की घोषणा की है, जिससे पिछले नौ वर्षों में मत्स्यपालन के क्षेत्र में कुल निवेश 38500 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

भारतीय मत्स्यपालन : एक उभरता क्षेत्र

डॉ एल मुरुगन

अब जबकि भारत प्रधानमंत्री ने देश के नेतृत्व में पूरे आत्मविश्वास के साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, मत्स्यपालन क्षेत्र इस वात्र में अपना दायित्व निभाए के लिए आगे आया है। प्रधानमंत्री की सेवा, मुश्यमान और गरीब कल्याण की बोलता, पिछले नौ वर्षों में भारतीय मत्स्यपालन एक उभरते हुए क्षेत्र के रूप में समाप्त आया है और यह देश को अग्रणी नौली अर्थव्यवस्था की बोलता है।

कुल 8000 किलोमीटर से अधिक लंबे समुद्र तटों, विशाल विशिष्ट अर्थव्यवस्था की अपार संभावनाओं को समझा और इस क्षेत्र का प्रणालीगत विकास शुरू करने का निर्णय लिया। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नौली क्रांति योजना (2015-2020) और फिर योजना (2017-2022) को लाने के लिए एक विश्वासी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (2017-2022 करोड़ रुपये) के माध्यम से सुधारों की एक शुंखला में मौजूद महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए क्षेत्र के रूप में समाप्त हो गया है।

पिछले नौ वर्षों में देश के गांधीजी विश्वासी भारतीय मत्स्यपालन अग्रिम गतिविधियों की एक शुंखला शुरू की जिम्मेदारी लिया गया है। यह देश को अग्रणी नौली अर्थव्यवस्था के लिए एक विश्वासी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (2017-2022 करोड़ रुपये) के माध्यम से मछली एवं गुणवत्ता परिवहन और विक्री की व्यवस्था पर निर्भर करता है। कुल 25000 से अधिक मछली पकड़ने के बाद की प्रक्रिया से जुड़े बुनियादी ढांचे विवरण तक की मत्स्यपालन की कियोरासी बाजारों और कोल्ड स्टोरेज को दी गयी मंजूरी के साथ, जौनी स्तर पर मत्स्यपालन का यह बुनियादी ढांचा तेजी से मजबूत हो रहा है। मछुआरों को खुले समुद्र में जोखिम और कामकाज की खतरनाक परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। इन जोखिमों को कम करने के लिए, 1043 मौजूदा मछली पकड़ने वाले जहाजों के ऊन्यन, 6468 नावों और 461 ग्रहर समुद्र में मछली पकड़ने वाले जहाजों के ऊन्यन के लिए अधिकारी विश्वासी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (2017-2022 करोड़ रुपये) के माध्यम से जोखिम को नियंत्रित कर दिया गया है।

पिछले नौ वर्षों में देश के दौरान केंद्र/सायर और विदेशी भारतीय मत्स्यपालन अग्रिम गतिविधियों के लिए एक विश्वासी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (2017-2022 करोड़ रुपये) के माध्यम से सुधारों की एक शुंखला शुरू की जिम्मेदारी लिया गया है। यह देश को अग्रणी नौली अर्थव्यवस्था के लिए एक विश्वासी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (2017-2022 करोड़ रुपये) के माध्यम से मछली पकड़ने के बाद विक्री की व्यवस्था पर नियंत्रित कर दिया गया है।

पिछले नौ वर्षों में देश के गांधीजी विश्वासी भारतीय मत्स्यपालन अग्रिम गतिविधियों के लिए एक विश्वासी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (2017-2022 करोड़ रुपये) के माध्यम से मछली पकड़ने के बाद विक्री की व्यवस्था पर नियंत्रित कर दिया गया है।

पिछले नौ वर्षों में देश के गांधीजी विश्वासी भारतीय मत्स्यपालन अग्रिम गतिविधियों के लिए एक विश्वासी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (2017-2022 करोड़ रुपये) के माध्यम से मछली पकड़ने के बाद विक्री की व्यवस्था पर नियंत्रित कर दिया गया है।

पिछले नौ वर्षों में देश के गांधीजी विश्वासी भारतीय मत्स्यपालन अग्रिम गतिविधियों के लिए एक विश्वासी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (2017-2022 करोड़ रुपये) के माध्यम से मछली पकड़ने के बाद विक्री की व्यवस्था पर नियंत्रित कर दिया गया है।

पिछले नौ वर्षों में देश के गांधीजी विश्वासी भारतीय मत्स्यपालन अग्रिम गतिविधियों के लिए एक विश्वासी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (2017-2022 करोड़ रुपये) के माध्यम से मछली पकड़ने के बाद विक्री की व्यवस्था पर नियंत्रित कर दिया गया है।

पिछले नौ वर्षों में देश के गांधीजी विश्वासी भारतीय मत्स्यपालन अग्रिम गतिविधियों के लिए एक विश्वासी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (2017-2022 करोड़ रुपये) के माध्यम से मछली पकड़ने के बाद विक्री की व्यवस्था पर नियंत्रित कर दिया गया है।

पिछले नौ वर्षों में देश के गांधीजी विश्वासी भारतीय मत्स्यपालन अग्रिम गतिविधियों के लिए एक विश्वासी इंफ्रास

धनबाद/बोकारो/बेटमो

कार्वाईः भू-अर्जन विभाग को रिपोर्ट सौंपने के बदले मांगी थी 10 हजार की रिश्वत

पांच हजार रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी को धनबाद एसीबी ने किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। एसीबी की टीम ने तोपचांची अंचल कार्यालय में दर्बिस देकर गुरुवार को राजस्व विभाग के कर्मचारी सुशील कुमार सिन्हा को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रोगेश गिरफ्तार किया है। वहीं, एसीबी की दर्बिस के बाद से अंचल और प्रखेड कार्यालय में हड़कंप मचा हुआ है। सभी कर्मचारी और अधिकारी तहां से भाग खड़े हुए। एसीबी की टीम ने सुशील कुमार सिन्हा को साथ लेकर उनके आवास और कार्यालय में भी तलाशी अधिभावन चलाया। जहां से कुछ कागजात भी



राजस्व कर्मचारी को गिरफ्तार कर ले जाती एसीबी की टीम।

जब किए गए। तोपचांची प्रखेड के रिंगडीह निवासी शरत कुमार महतो से राजस्व विभाग के कर्मचारी सुशील ने सिक्के लेने के तहत अधिग्रहण की गई जमीन

जिसके बाद गुरुवार को तय रकम का आधा यानी पांच हजार रुपये राजस्व विभाग के कर्मचारी सुशील को दी थी। इसके बाद ही एसीबी की टीम ने दर्बिस देकर सुशील को रिश्वत लेते हुए रोगेश देवेच और जिला सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी के नेतृत्व में हजारों की संख्या में लोगों ने तोपचांची अंचल और प्रखेड कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ धरना प्रस्तरन किया था।

एसीबी के डीएसपी सह थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शरत द्वारा की गई शिकायतों का साथापन किया गया, जिसके बाद कार्रवाई करते हुए राजस्व कर्मचारी सुशील को रिश्वत लेते हुए नहीं अत्याधिकारी और अधिकारी तहां से भाग खड़े हुए। एसीबी की टीम ने धनबाद एसीबी से सुशील की शिकायत कर दी थी।

रोगेश गिरफ्तार किया गया। उहोंने बताया कि आगे को कार्रवाई की जा रही है। गैरतलब हो कि तीन महीने पहले जिला परिषद की उपाध्यक्ष सरिता देवी और जिला सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी के नेतृत्व में हजारों की संख्या में लोगों ने तोपचांची अंचल और प्रखेड कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ धरना प्रस्तरन किया था। जिसके बाद संबंधित अधिकारियों ने अधासन दिया था कि लोगों के कार्य आसानी से किए जायेंगे। इसके बाद ही बाबूओं की अदलों-हककों में कोई सुधार नहीं अया है।

महत्वपूर्ण न्यूज़

दुल्लू महतो के आवास पहुंचे बाबूलाल विधायक की माता को दी श्रद्धांजलि



विधायक दुल्लू महतो के घर चिटाही पहुंचे। यहां विधायक की माता के द्वितीय प्रथम अंतिम कर उन्हें श्रद्धांजलि और शोकाकुल परिवार के सांत्वना दी। बताते चले कि मंगलवार के विधायक की माता स्त्रीला महताईन का निधन इलाज के दौरान हो गया था। इस दौरान पूर्व प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख गणेश मिश्रा, ग्रामीण जिलाध्यक्ष ज्ञान रंजन सिन्हा, महानवार जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, भाजुयुमो जिलाध्यक्ष अमलेश सिंह, संजय झा आदि मौजूद थे।

लोक लेखा समिति के सभापति से मिल कर रागिनी सिंह ने की झारिया में चल रहे विकास कार्यों में गड़बड़ी की शिकायत



धनबाद (आजाद सिपाही)। भाजपा नेत्री रागिनी सिंह ने झारखण्ड विधानसभा के लोक लेखा समिति के सभापति नीलकंठ मंडा से गुरुवार को सर्किट हाउस में मुलाकात की। इस दौरान झारिया में चल रहे विकास योजनाओं में अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए अधिकारियों की शिकायत की। कहा कि झारिया में पाइलाइन बिछाने के दौरान पूरी सड़क खो दी गयी है जिससे राहीरों के परेशनियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावे यह विधायक की दो अहम सड़क का चौकीरान व निर्माण कार्य में देशी, ज्युनियन में ठेक, घर घर नल जल योजना में धांधी, वर्ग निगम में टैक्ड प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए ऑनलाइन की जगह ऑफलाइन टेक्स की शिकायत की। इसके अलावे नगर निगम के टेक्स में स्वेदकों नगर आयुक्त पर विधेय लोगों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाते हुए सभी विषयों पर जांच कराने की मांग की।

विधायिकों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जायेगा : सीएसी



करगली/बेस्टो (आजाद सिपाही)। सीएसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध नियंत्रक औं वी वीरा रेड्डी ने दोरी और बीएंडक क्षेत्र के परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएंडक जीएम एमके राव व दोरी जीएम एमके अग्रवाल से कोयला उत्पादन व डिस्पेल व अन्य जानकारी दी। साथ ही परियोजना का वर्कशॉप करते हुए उत्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। सीएसी ने कहा कि देश में ऊर्जा के क्षेत्र में कोयला का महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए लक्ष्य के अनुसार उत्पाद और कोयला का संप्रयोग कराना है। चालू वित्तीय वर्ष में उत्पाद के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने विधायिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इसके पांच वीएंडक जीएम एमके राव, दोरी जीएम एमके अग्रवाल, अमलो पीओ के आरोप सत्यार्थी, खास-दोरी पीओ रंजीत कुमार, कल्याणी पीओ शेली प्रसाद, बोकारो पीओ अरविद कुमार शेरी, खासमहन-कोनर पीओ शंकर शंकर गोवाल, कोरा पीओ सतेंद्र कुमार, सेल अफिसर मनोज कुमार, एसओ ईंडेंट गोविंद कुमार सौभ सिंह, मैनेजर वीपी साहू, मैनेजर जीएम सिंह, एप्पलम रजीव कुमार, एसओएक्स प्रवीण कुमार व यूके पासवान, एरिया सुरक्षा पदाधिकारी सीताराम यूके की सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

पेलोडर की चपेट में आने से ट्रक चालक की मौत के बाद हंगामा



- मुआवजे की मांग पर धनसार ऑपरेटर से 8 घंटे तक ट्रांसपोर्टिंग बाधित - मृतक की मौत के बाद समाप्त हुआ अवरोध

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार। विश्वकर्मा परियोजना लोडिंग पाइंट पर ट्रांसपोर्टिंग पेलोडर की चपेट में आने से गुरुवार को पेशे से ट्रक चालक की मौत हो गई। उसकी पहचान धर्मेंद्र यादव (28) के रूप में हुई है। वह बाग नंबर दो का रखने वाला था। इससे नाना परियोजनों ने इन दिन आठ घंटे तक ट्रांसपोर्टिंग ठप रखा। जानकारी के मुताबिक बुधवार की शाम कोयला लादे ट्रक को एक ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के पेलोडर से टोचन कर खींचने के क्रम में चालक को गंभीर चोट आ गई थी। आनन फान में उसे धर्मेंद्र यादव (28) के उत्तर छोटी से ट्रक चालक की मौत हो गई। उसकी परियोजना प्रवाधिकारी से परियोजनों को उत्तर भी गई। उसकी परियोजना विद्युत मैट्रिक्स के लिए विद्युत दिलाने की जारी है। बुधवार को धर्मेंद्र यादव जिस ट्रक पर आरटीपीएस का कोयला लोड होने के बाद परियोजना के माध्यम से आपका धर्मेंद्र यादव यादव का वर्हने वाला था। वह अपने पूरे परियोजना के साथ झारिया भाग में रहने वाला था। घटना के बाद पिता प्रकाश यादव, दो देवी सहित परियोजना के अन्य सदस्यों का रो रो के बुरा है। मृतक के तीन पुत्र अर्यन (5) ऋषभ (3) और सुशांत (1) हैं। दुसरी ओर, 8 घंटे चले वार्ता के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये पूरे परियोजना के साथ झारिया भाग में रहने वाला था। घटना के बाद पिता प्रकाश यादव, दो देवी सहित परियोजना के अन्य सदस्यों का रो रो के बुरा है। मृतक के तीन पुत्र अर्यन (5) ऋषभ (3) और सुशांत (1) हैं। दुसरी ओर, 8 घंटे चले वार्ता के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये। साथ ही ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के बाद परियोजना के बाद वार्ता के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये। साथ ही ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये।

फाइनल ईंटर का छार है। स्थानीय लोगों की मदद से उसे नियोजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती की गयी है।

यहां रेफर कर लिया जाएगा। इसकी विवरणी के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये।

परियोजना के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये।

परियोजना के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये।

परियोजना के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये।

परियोजना के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये।

परियोजना के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये।

परियोजना के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये।

परियोजना के बाद धर्मा निवासी ट्रक मालिक बबूलू खान ने अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये दिये।



चूंग रील्स

लखनऊ में ऑक्सीजन सिलेंडर फटा, ड्राइवर हेल्पर के चिथड़े उड़े

लखनऊ (आजाद सिपाही)। लखनऊ के बालागंज चौराहे के पास जेपीएस अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर फट गया। सिलेंडर सप्लाई करने आये ड्राइवर और हेल्पर इसकी चपेट में आ गये। उनके हाथ और पैर के चिथड़े उड़े गये। हादसे में ड्राइवर को गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

मुंबई एयरपोर्ट पर चार्टर्ड प्लेन क्रैश, 3 घायल

मुंबई (आजाद सिपाही)। विशाखापट्टनम से मुंबई आ रहा वीएसआर वेवर्च लिवर्सर्ट 45 एयरक्राफ्ट वहाँ स्टेन 27 पर फिसल गया। मुंबई में भारी बारिश हो रही है, इसके चलते विजिबिलिटी 700 मीटर रह गयी है। इसी वजह से वह घटना हुई। चार्टर्ड प्लेन लैंडिंग के दौरान स्टेन पर क्रैश हो गया। इसके बाद वह दो हिस्सों में टूट गया और उसमें आग लग गयी। घटना में 6 पैसेंजर्स और 2 क्रू मेंबर सवार थे।

पीएम मोदी ने 6400 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

पीएम मोदी संग विजय शंखनाद रैली में शामिल हुए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता



रायगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रायगढ़ के कोडातालई में पहुंचे जहाँ उहोने छत्तीसगढ़ को 6400 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। अगले कार्यक्रम में उन्होने भाजपा की विजय शाखनाद रैली को संबोधित किया इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। साथ ही भाजपा के प्रदेश प्रभारी और मायूर, प्रदेश अध्यक्ष अल्पा साव, समेत कई दिग्गज नेता जन सभा में शामिल हुए। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सपात संस्कृति की व्याख्या करते हुए और कांग्रेस को धेरते हुए कहा कि कांग्रेस भारतीय संस्कृति को मिटाना चाहती है। साथ ही छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सप्ताहा में आगे बढ़ते हुए उहोने देखा कि उन्होने कांग्रेस सप्ताह के बाद शराब में घोटाला करती है, कांग्रेस की वे सरकार घोटाले करके कांग्रेसी नेताओं की तिजोरी भर रही है। साथ ही गोरे घोटाले पर कांग्रेस को धेरते हुए उहोने

आवास योजना के 4 करोड़ आवास पुरे देश में गरीबों को मिले वर्हनी दूसरी ओर छत्तीसगढ़ की कांग्रेस नेताओं के लिए उन्होने छत्तीसगढ़ में गरीबों तक आवास नहीं पहुंचने दिया। इसके अलावा शराबबदी को लेकर भी उहोने कहा कि छत्तीसगढ़ में शराबबदी का वादा करने वाली कांग्रेस सप्ताह में आगे बढ़ती है। साथ ही छत्तीसगढ़ में गोरे घोटाले के बाद शराब में घोटाला करती है, कांग्रेसी नेताओं की तिजोरी भर रही है। साथ ही गोरे घोटाले पर कांग्रेस को धेरते हुए उहोने

भारतीय रेलवे का पूंजीगत व्यय बढ़ाने में पूर्व तट रेलवे का महत्वपूर्ण योगदान

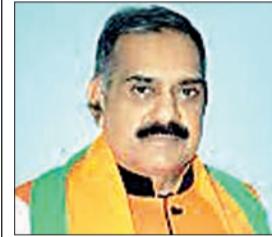
विभिन्न मंत्रालयों और बड़े सर्वजनिक क्षेत्रों के उद्योगों का इस वित्तीय वर्ष में लगभग 7.33 ट्रिलियन रुपये का पूंजीगत व्यय (उदाहरण) है, जो वार्षिक लक्ष्य प्राप्तिकरण ने 46.4% की सबसे तेज वृद्धि दर्दी की।

● पूर्व तट रेलवे ने बालू वित्तीय वर्ष के अपैल से अगस्त के बीच बजट लक्ष्य का लगभग 46.51% खर्च किया है।

● पूर्व तट रेलवे ने इस वित्तीय वर्ष की तारीख तक अपाना खर्च दोगुना से अधिक कर लिया है।

आजाद सिपाही संवाददाता भुवनेश्वर। 100 करोड़ रुपये और उससे अधिक के वार्षिक पूंजीगत व्यय लक्ष्य वाले भारत सरकार के

लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि



पूरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस का रेलाख्योल में प्रायोगिक ठहराव

संबलपुर (आजाद सिपाही)।

यात्रियों की सुविधा और यात्रा की मांगों को पूरा करने के लिए 18425/18426 पुरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस को रेलाख्योल स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। यह प्रायोगिक आधार पर शुक्रवार से प्रभावी होगा। 00.58 बजे रेलाख्योल स्टेशन पर 4200 का भुगतान किया जाए और तीसरी मांग है कि नई पेंशन व्यवस्था को खत्म कर पुरानी पेंशन फिर से लागू की जाए। इसकी मांग को लेकर शिक्षकों सहायकों की संभाल की गणना 4 दिनों से इस घरें पर बढ़े हुई है।

करना और एक्स-कैडेट शिक्षकों की मांगों पर अंतिम निर्णय लिया जायेगा। प्रायोगिक शिक्षक संघ की हड्डताल के कारण लगभग 50,000 रुपये में तात्पर पड़ रहा है। चालांग लाख बच्चों की शिक्षा प्रभावित हुई है। संघ की 3 सूत्री मांगों में से पहली प्रायोगिक शिक्षा से संबंधित भर्ती को समाप्त करना, अनुबंध की अवधि को हटाकर मूल नौकरी में शिक्षकों और शिक्षण सहायकों की संभाल की गणना

करना और एक्स-कैडेट शिक्षकों की गणना है। शिक्षकों ने विद्यालयों के लिए 18425/18426 पुरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस को रेलाख्योल स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। यह प्रायोगिक आधार पर शुक्रवार से प्रभावी होगा। 00.58 बजे रेलाख्योल स्टेशन पर 4200 का भुगतान किया जाए और तीसरी मांग है कि नई पेंशन व्यवस्था को खत्म कर पुरानी पेंशन फिर से लागू की जाए। इसकी मांग को लेकर शिक्षकों की संभाल की गणना 4 दिनों से इस घरें पर बढ़े हुई है।

कोस की विभिन्न गतिविधियों की गणन गतिविधियों की गणन समीक्षा की गयी। आज हैदराबाद में आसकी कांगलीय के परिसर में आसकी की ओर से किस के संस्थापक डॉ अच्युत सामर्पण को गतिविधि के लिए काम करता रहा है। इस संघर्ष के दौरान देखभाल सुविधा, उन्नत बाल विकास रेटिल, माझकोसर्जरी, कम दृष्टि और एम्बियोपिया सेवाओं सहित प्रोटोकॉल-आधारित आरओपी देखभाल प्रदान करता है। पौरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस रेलाख्योल स्टेशन पर 2.02 बजे पहुंची और 2.04 बजे रवाना होगी।

कोस की विभिन्न गतिविधियों की गणन गतिविधियों की गणन समीक्षा की गयी। आज हैदराबाद में आसकी कांगलीय के परिसर में आसकी की ओर से किस के संस्थापक डॉ अच्युत सामर्पण को गतिविधि के लिए काम करता रहा है। इस संघर्ष के दौरान देखभाल सुविधा, उन्नत बाल विकास रेटिल, माझकोसर्जरी, कम दृष्टि और एम्बियोपिया सेवाओं सहित प्रोटोकॉल-आधारित आरओपी देखभाल प्रदान करता है। पौरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस रेलाख्योल स्टेशन पर 2.02 बजे पहुंची और 2.04 बजे रवाना होगी।

एकमात्र केंद्र है जो एक ही छत के नीचे नवजात रेटिल इमेजिंग, लेजर, इंटरियोल इंजिनियरिंग, केनेक्टर, मिनी नवजात गणन देखभाल सुविधा, उन्नत बाल विकास रेटिल, माझकोसर्जरी, कम दृष्टि और एम्बियोपिया सेवाओं सहित प्रोटोकॉल-आधारित आरओपी देखभाल प्रदान करता है। पौरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस रेलाख्योल स्टेशन पर 2.02 बजे पहुंची और 2.04 बजे रवाना होगी।

एकमात्र केंद्र है जो एक ही छत के नीचे नवजात रेटिल इमेजिंग, लेजर, इंटरियोल इंजिनियरिंग, केनेक्टर, मिनी नवजात गणन देखभाल सुविधा, उन्नत बाल विकास रेटिल, माझकोसर्जरी, कम दृष्टि और एम्बियोपिया सेवाओं सहित प्रोटोकॉल-आधारित आरओपी देखभाल प्रदान करता है। पौरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस रेलाख्योल स्टेशन पर 2.02 बजे पहुंची और 2.04 बजे रवाना होगी।

एकमात्र केंद्र है जो एक ही छत के नीचे नवजात रेटिल इमेजिंग, लेजर, इंटरियोल इंजिनियरिंग, केनेक्टर, मिनी नवजात गणन देखभाल सुविधा, उन्नत बाल विकास रेटिल, माझकोसर्जरी, कम दृष्टि और एम्बियोपिया सेवाओं सहित प्रोटोकॉल-आधारित आरओपी देखभाल प्रदान करता है। पौरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस रेलाख्योल स्टेशन पर 2.02 बजे पहुंची और 2.04 बजे रवाना होगी।

एकमात्र केंद्र है जो एक ही छत के नीचे नवजात रेटिल इमेजिंग, लेजर, इंटरियोल इंजिनियरिंग, केनेक्टर, मिनी नवजात गणन देखभाल सुविधा, उन्नत बाल विकास रेटिल, माझकोसर्जरी, कम दृष्टि और एम्बियोपिया सेवाओं सहित प्रोटोकॉल-आधारित आरओपी देखभाल प्रदान करता है। पौरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस रेलाख्योल स्टेशन पर 2.02 बजे पहुंची और 2.04 बजे रवाना होगी।

एकमात्र केंद्र है जो एक ही छत के नीचे नवजात रेटिल इमेजिंग, लेजर, इंटरियोल इंजिनियरिंग, केनेक्टर, मिनी नवजात गणन देखभाल सुविधा, उन्नत बाल विकास रेटिल, माझकोसर्जरी, कम दृष्टि और एम्बियोपिया सेवाओं सहित प्रोटोकॉल-आधारित आरओपी देखभाल प्रदान करता है। पौरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस रेलाख्योल स्टेशन पर 2.02 बजे पहुंची और 2.04 बजे रवाना होगी।

एकमात्र केंद्र है जो एक ही छत के नीचे नवजात रेटिल इमेजिंग, लेजर, इंटरियोल इंजिनियरिंग, केनेक्टर, मिनी नवजात गणन देखभाल सुविधा, उन्नत बाल विकास रेटिल, माझकोसर्जरी, कम दृष्टि और एम्बियोपिया सेवाओं सहित प्रोटोकॉल-आधारित आरओपी देखभाल प्रदान करता है। पौरी-दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस रेलाख्योल स्टेशन पर 2.02 बजे पहुंची और 2.04 बजे रवाना होगी।